आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 19.05.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- भारतीय सेना ने कहा– पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम जारी है और इसकी कोई समाप्ति तिथि नहीं है।
- प्रदेश में वन विभाग की बेहतर रणनीति के चलते इस साल वनाग्नि की घटनाओं में गिरावट दर्ज।
- केन्द्र की योजनाएं बन रही महिलाओं के लिए वरदान, ऊधमसिंहनगर जिले में मत्स्य पालन के जरिए सशक्त हो रहीं महिलाएं।
- टिहरी जिले के शिवपुरी, ब्यासी और कौड़ियाला में इन दिनों राफ्टिंग को लेकर पर्यटकों में खासा उत्साह।

युद्धविराम खंडन

भारतीय सेना ने उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कल समाप्त हो गया। भारतीय सेना के अनुसार, 18 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संचालन महानिदेशक –डीजीएमओ स्तर की कोई वार्ता निर्धारित नहीं थी। सेना ने कहा कि 12 मई को डीजीएमओ की बातचीत में तय किया गया संघर्ष विराम जारी है, और इसकी कोई समाप्ति तिथि नहीं है।

भारत और पाकिस्तान के बीच डीजीएमओ स्तर की पिछली वार्ता 12 मई को हुई थी। वार्ता के दौरान, इस प्रतिबद्धता को जारी रखने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई कि दोनों पक्ष एक भी गोली नहीं चलाएंगे या एक–दूसरे के खिलाफ कोई आक्रामक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई शुरू नहीं करेंगे। इस बात पर भी सहमति हुई थी कि दोनों पक्ष सीमाओं और अग्रिम क्षेत्रों से सैनिकों की संख्या में कमी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपायों पर विचार करें।

वनाग्नि में कमी

प्रदेश में इस बार वनाग्नि की घटनाओं में कमी आई है। अपर प्रमुख वन संरक्षक, आपदा एवं वन प्रबंधन निशांत वर्मा ने बताया कि पिछले साल इस समय तक जहां 1 हजार 65 वनाग्नि की घटनाएं हुईं, वहीं इस बार वनाग्नि की अब तक 197 घटनाएं हुई हैं। इस दौरान 218 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जो कि पिछले वर्ष की अपेक्षा बीस प्रतिशत कम है। उन्होंने बताया कि इस बार वनाग्नि सत्र से पहले ही सटीक रणनीतियां बनाई गई थीं, जो कारगर साबित हो रही हैं।

वहीं, श्री वर्मा ने कहा कि सरकार 10 रुपए किलो पीरूल खरीद रही है, जिसके कारण लोगों की आर्थिकी में तो सुधार आया ही है, साथ ही वनाग्नि की घटनाओं में भी कमी देखने को मिली है।

जगदीशिला डोली यात्रा

उत्तराखंड की पावन धरती पर सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक आस्था से ओतप्रोत मां जगदीशिला डोली यात्रा इन दिनों प्रदेशभर में भ्रमण कर रही है। हरिद्वार की हर की पैड़ी से 8 मई को शुरू हुई विश्वनाथ मां जगदीशिला डोली यात्रा का बागेश्वर पहुंचने पर बाबा बागनाथ मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने डोली का भव्य स्वागत किया। डोली यात्रा की अगुवाई यात्रा संयोजक और पूर्व मंत्री, मंत्री प्रसाद नैथानी कर रहे हैं। श्री नैथानी ने बताया कि यह यात्रा प्रदेश के सभी जिलों में 10 हजार 500 किलोमीटर की दूरी तय करती है और इसका समापन टिहरी जिले के भिलंगना ब्लॉक के विशोन पर्वत पर होगा। उन्होंने बताया कि विश्व शांति और संस्कृति को जीवित रखना यात्रा का मुख्य उद्देश्य है।

मत्स्य पालन

ऊधमसिंहनगर जिले में केंद्र की महत्वाकांक्षी, अमृत सरोवर योजना के तहत 70 तालाब, जहां गिरते भूमिगत जल स्तर को बनाए रखने में सहयोग कर रहे हैं। वहीं इन तालाबों को मत्स्य पालन, पर्यटन और कई विकासपरक योजनाओं से जोड़कर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि जिले में 70 अमृत सरोवर बनाए गए हैं, जिनमें 28 सरोवरों में महिलाएं मत्स्य पालन कर रही हैं। इसके लिए महिलाओं को बीज और खाद्यान्न के साथ ही मत्स्य पालन का वैज्ञानिक प्रशिक्षण भी कराया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं।

समूह की लाभार्थी महिलाओं को मत्स्य पालन से आमदनी का बेहतर जरिया मिला है। महिला शांति बाला की मानें तो समूह से जुड़कर उन्हें आसानी से कई सरकारी योजनाओं का लाभ मिला, जिससे वो अब आत्मनिर्भर बन चुकी हैं।

राफ्टिंग

टिहरी जिले के शिवपुरी, ब्यासी और कौड़ियाला में इन दिनों राफ्टिंग को लेकर पर्यटकों और चारधाम यात्रा से लौट रहे यात्रियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बढ़ती गर्मी के बीच लोग, गंगा नदी में रिवर राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव लेकर अपनी यात्रा को यादगार बना रहे हैं। इन राफ्टिंग स्थलों पर स्थानीय लोगों के साथ ही विभिन्न राज्यों से आए पर्यटक बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। बदरीनाथ–राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह–जगह राफ्टिंग सेंटर खोले गए हैं और गंगा किनारे नाइट कैंपिंग के लिए पर्यटक अग्रिम बुकिंग कर रहे हैं। इस वजह से राफ्टिंग संचालकों और स्थानीय व्यापारियों के चेहरे खिले हुए हैं। चारधाम यात्रा के दौरान राफ्टिंग करने वाले यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। सप्ताहांत के दिनों में करीब तीन हजार से पैंतीस सौ लोग राफ्टिंग का लुत्फ उठा रहे हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों से राफ्टिंग के लिये पहुंच रहे पर्यटक, प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं की सराहना कर रहे हैं।

मद्महेश्वर डोली

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित पंचकेदारों में से एक द्वितीय केदार मद्महेश्वर के कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू हो गई। मद्महेश्वर की चल विग्रह डोली ने आज ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ से मद्महेश्वर धाम के लिए प्रस्थान किया। इससे पहले केदारनाथ रावल भीमाशंकर लिंग ने विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। मद्महेश्वर के कपाट 21 मई को पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे खुलेंगे। बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि चल विग्रह डोली आज ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से प्रथम पड़ाव राकेश्वरी मंदिर, रांसी प्रवास के लिए प्रस्थान हुई है। कल डोली का दूसरा पड़ाव गौंडार में रहेगा। 21 मई सुबह को डोली मद्महेश्वर पहुंचेगी और इसी दिन मद्महेश्वर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।